



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रसिद्धिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 130]  
No. 130]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 20, 1978/चैत्र 30, 1909  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 20, 1978/CHAITRA 30, 1909

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1978

सां० कां० नि० 238(अ) —खाद्य अप्रमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, खाद्य अप्रमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सां० कां० नि० 954 (ई), तारीख 28 दिसम्बर, 1976 द्वारा भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 28-12-76 के पृष्ठ 2915-2917 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उससे सम्भाव्यत प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से, उस तारीख से 45 दिन की समाप्ति के पश्चात् जिसकी कि उस भारत के राजपत्र, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई गई थी, आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 10 जनवरी, 1977 को उपलब्ध कराई गई थी।

और उक्त प्रारूप की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति

से परामर्श के पश्चात्, खाद्य अप्रमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम ब्रम्भी हैं, अर्थात्—

नियम

1 (1) इन नियमों का नाम खाद्य अप्रमिश्रण निवारण (तृतीय संशोधन) नियम 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 खाद्य अप्रमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट ख में, मद सं० 12 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्—

“क 12—मारगरिन से खाने योग्य तेल और बसा का जल के साथ इमलेशन अभिप्रेत है। उसमें विकृत गन्ध, मिलाए गए रंग और सूरजिक पदार्थ खनिज तेल और पशु-शरीर की बसा नहीं हानी चाहिए। इसमें 2.5 प्रतिशत से अधिक साधारण नमक, अनुज्ञात पायसी और स्थायी-कार्बो, तत्व तथा 0.02 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक अयुटिलिज हाइड्रोक्सीपेनिसोल (बी० एच० ए०) हो सकता है। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा, अर्थात्—

- |             |  |
|-------------|--|
| 1 बसा       | द्रव्यमान का कम से कम 80 प्रतिशत/द्रव्यमान                                   |
| 2 आर्द्रता  | द्रव्यमान का कम से कम 12 प्रतिशत और अधिक से अधिक 16 प्रतिशत/द्रव्यमान        |
| 3 विटामिन ए | विश्व के मन्य उत्पाद का प्रति ग्राम कम से कम 30 अंतर्राष्ट्रीय यूनिट (आई यू) |

इसमें उसके घनत्व का कम से कम 5 प्रतिशत तिल का तेल होगा किन्तु यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए कि जब निकाला गया तब 20.80 के अनुपात में परिकृत मूंगफली के तेल के साथ मिला दिया जाए तब बोडुइन परिक्षण द्वारा प्राया हुआ लाल रंग लविबॉन्ड पैमाने पर एक स० मी० सेल में 2 लाल यूनिटों से हलका न हो।

(टिप्पण—मार्गारिन के विनिर्माण में उपयोग किम जाने वाले तेल वही होंगे जो वनस्पति तेल उत्पाद निबंधन आदेश, 1947 में विनिर्दिष्ट वनस्पति के विनिर्माण में उपयोग किम जाने हैं।)

[सं० पी० 15016/4/77-पी० एन० (एकएण्ड एन) (पीएफए)]

विरेंद्र नाथ बोहरा, सचिवत बचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th April, 1977.

G.S.R. 238(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published, as required by sub-section (i) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) with the notification of the Government of India, in the late Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. GSR 955(E), dated the 28th December, 1976 at pages 2915—2917 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 28th December, 1976 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby after the expiry of 45 days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 10th January, 1977;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

### RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix 'B' for item A.12, the following item shall be substituted, namely:—

"A.12. Margarine means an emulsion of edible oils and fats with water. It shall be free from rancidity, added colouring and flavouring substances, mineral oil and animal body fats. It may contain common salt not exceeding 2.5 per cent, permitted emulsifying and stabilising agents and butylated-hydroxy-anisole (BHA) upto a maximum limit of 0.02 per cent. It shall conform to the following specifications, namely:—

1. Fat.—Not less than 80 per cent mass/mass.
2. Moisture.—Not less than 12 per cent and not more than 16 per cent mass/mass.
3. Vitamin A.—Not less than 30 I.U. per gram of the product at the time of sale.

It shall contain not less than 5 per cent of its weight of Til Oil but sufficient to ensure that when separated fat is mixed with refined groundnut oil in the proportion of 20 : 80, the red colour produced by the Baudouin test shall not be lighter than 2 red units in 1cm. cell on a lovibond scale.

Note:—The oils to be used in the manufacture of margarine shall be the same as used in the manufacture of vanaspati specified in the Vegetable Oil Products Control Order, 1947".

[No. P. 15016/4/77-PH(E&N (PFA))]

N. N. VOHRA, Jt. Secy.